Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

# Sensory Memory

Sensory Memory Memory का एक लघुतम अवधि वाली स्मृति है। Sensory memory में सूचनाओं को सामान्यतः अधिक से अधिक एक सेकेण्ड की अवधि के लिए ही संचित किया जाता है

Sensory Memory को Neisser 1967 ने दो भागों में बाँटा है -

(i) प्रतिचित्रात्मक स्मृति (Iconic memory)
(ii) प्रतिध्वनित स्मृति (Echoic memory)

(1) Iconic memory → Neisser के अनुसार प्रतिमा सम्बन्धी स्मृति एक दृष्टि संवेदी स्मृति है जिसमें व्यक्ति के सामने से उद्दीपक को हटा लिये जाने के बाद भी उसका visual impression कुछ समय के लिए उसके मन में बना होता है। दृष्टि छवि या प्रतिमा को icon कहा जाता है तथा snap shot जो संचित होता है, को Iconic memory कहा जाता है।

Iconic memory के अस्तित्व को दिखाने के लिए Sperling ने (1960) सबसे पहला प्रयोग किया। इस प्रयोग में प्रयोज्य को एक कार्ड पर लिखे गये चार तरह

Scanned with CamScanner

के अक्षरों को जिन्हें तीन के कतार में सजाया गया था, सिर्फ 50 sec. के लिए दिखाया गया।

for example -

Z K T N
H B S I
E M A Q

इसके बाद प्रयोज्यों को उन सभी अक्षरों को बतलाना होता था जो उन्हें याद है। इसे Whole report method कहा गया। परिणाम में देखा गया कि ऐसी परिस्थिति में वे चार-पाँच अक्षरों से ज्यादा अक्षरों को याद करने में सफल नहीं हो पाये, लेकिन इन्होंने यह स्वीकार किया कि उन्हें बाकी के words भी याद थे परन्तु जब तक वे उन चार-पाँच अक्षरों को recall किया तो अन्य अक्षरों की यादें समाप्त हो गयी। प्रयोज्य के इस कथन की सत्यता के लिए sperling ने एक दूसरे method का उपयोग किया जिसे Partial report method कहा गया।

इसमें प्रयोज्य को card पर छपे अक्षरों को दिखाने के तुरंत बाद एक-एक sound सुनाया गया

जिसका Pitch कभी high, low, तथा medium था। High pitch होने पर सबसे ऊपरी कतार के अक्षरों को, Medium pitch होने पर बीच के लाइन के अक्षरों को तथा low pitch होने पर नीचे के line के अक्षरों को recall करने के लिए कहा गया।

result में देखा गया कि ऐसी परिस्थिति में प्रयोज्यों का recall शत-प्रतिशत सही था। चूँकि प्रयोज्य को पहले से यह नहीं मालूम रहता था कि कौन श्रेणी की आवाज उसे सुनाई पड़ेगा। अतः उसे सभी 12 अक्षरों को याद करना पड़ता था। अतः उक्त परिणाम से प्रयोज्य द्वारा दिये गये कथन सत्य दीख पड़ता है। जब उन्होंने आवाज को एक सेकेण्ड विलम्ब करके प्रयोज्य के सामने उपस्थित किया तो पाया गया कि प्रयोज्य का निष्पादन काफी गिर कर पहले के समान हो गया। इसका मतलब यह हुआ कि प्रतिमा सम्बन्धी स्मृति में इतनी तेजी से ह्रास होती है कि एक सेकेण्ड के भीतर इसका निष्पादन संपूर्ण रिपोर्ट विधि में प्राप्त निष्पादन के स्तर पर चला जाता है।